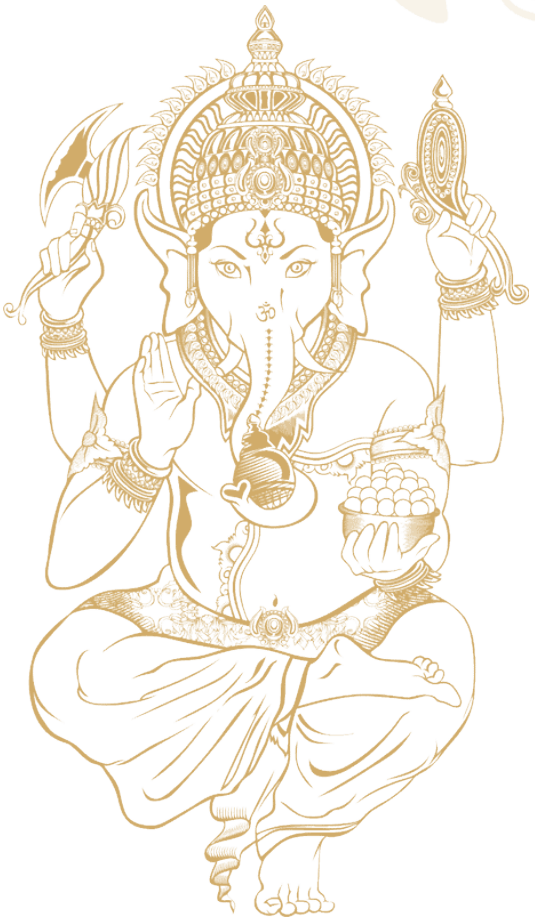

Sahil

Aparna

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120313404

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
01/08/1996	जन्म तिथि	25-26/12/1997
गुरुवार	दिन	गुरु-शुक्रवार
घंटे 16:19:00	जन्म समय	03:00:00 घंटे
घटी 26:31:02	जन्म समय(घटी)	49:30:37 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Rohtak
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:54:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	76:38:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:23:28 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:42:35	सूर्योदय	07:14:39
19:12:29	सूर्यास्त	17:32:33
23:48:38	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:39

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 7वर्ष 10मा 8दि		02:37:54	धनु	लग्न	तुला	14:05:51	गुरु 10वर्ष 10मा 17दि	
शनि		15:38:41	कर्क	सूर्य	धनु	10:18:23	शनि	
10/06/2020		14:10:47	कुंभ	चंद्र	तुला	24:15:59	12/11/2008	
11/06/2039		10:40:12	मिथु	मंगल	मक	12:08:27	12/11/2027	
शनि	14/06/2023	05:49:16	सिंह	बुध व	वृश्चि	23:26:18	शनि	15/11/2011
बुध	21/02/2026	15:40:33	धनु व	गुरु	मक	27:10:29	बुध	26/07/2014
केतु	02/04/2027	01:30:44	मिथु	शुक्र	मक	10:05:26	केतु	03/09/2015
शुक्र	02/06/2030	13:26:05	मीन व	शनि	मीन	19:47:18	शुक्र	03/11/2018
सूर्य	14/05/2031	15:56:43	कन्या व	राहु व	सिंह	19:32:42	सूर्य	16/10/2019
चन्द्र	13/12/2032	15:56:43	मीन व	केतु व	कुंभ	19:32:42	चन्द्र	16/05/2021
मंगल	22/01/2034	08:30:36	मक व	हर्ष	मक	12:58:13	मंगल	25/06/2022
राहु	28/11/2036	02:11:15	मक व	नेप	मक	04:53:49	राहु	01/05/2025
गुरु	11/06/2039	06:32:46	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	12:43:20	गुरु	12/11/2027

लग्न-चलित

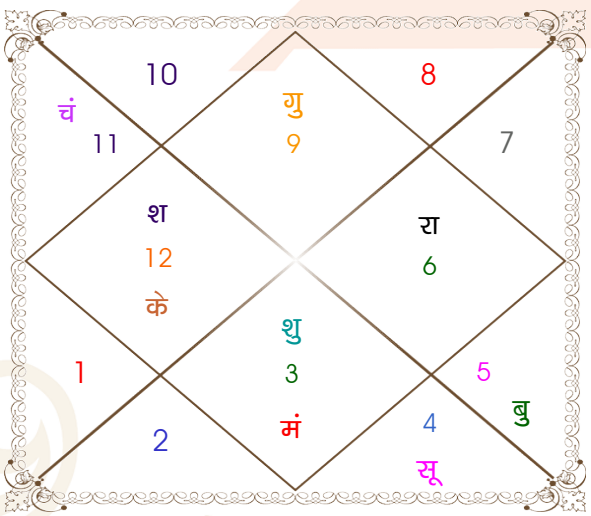

लग्न-चलित

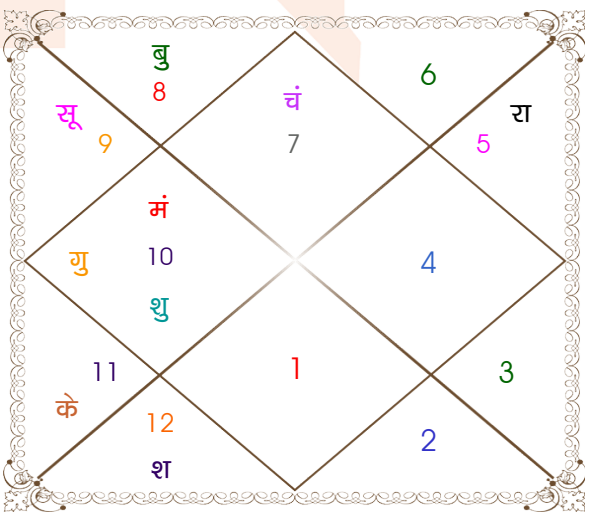

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	अश्व	व्याघ्र	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	तुला	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Sahil का वर्ग मेष है तथा Aparna का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Sahil और Aparna का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Sahil मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि Sahil कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Aparna मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Aparna कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Aparna कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Aparna कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Sahil कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Sahil तथा Aparna में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।